SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

SSC CGL — Combined Graduate Level Examination

सी.जी.एल. कर्मचारी चयन आयोग की सबसे बड़ी एवं सबसे विविध परीक्षा है, जिससे स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थी भारत सरकार के मंत्रालयों, विभागों एवं संगठनों में समूह ख एवं समूह ग के पदों पर जाते हैं। आयोग की अपनी सूची में इस एक परीक्षा के...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/ssc-cgl

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

सी.जी.एल. कर्मचारी चयन आयोग की सबसे बड़ी एवं सबसे विविध परीक्षा है, जिससे स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थी भारत सरकार के मंत्रालयों, विभागों एवं संगठनों में समूह ख एवं समूह ग के पदों पर जाते हैं। आयोग की अपनी सूची में इस एक परीक्षा के विरुद्ध सैंतीस अलग-अलग पद दर्ज हैं — आयकर विभाग का निरीक्षक, सीमा शुल्क एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क का निरीक्षक, सहायक अनुभाग अधिकारी, लेखा परीक्षक एवं लेखाकार, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी, प्रवर्तन एजेंसियों के उप निरीक्षक, तथा अनेक अन्य। भारत सरकार के कर, लेखा एवं प्रवर्तन तंत्र में अधिकारी स्तर पर प्रवेश का यह सबसे बड़ा एकल द्वार है। इस परीक्षा के बारे में सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह समझ लेना है कि यहाँ "एक" योग्यता एवं "एक" आयु-सीमा नहीं है: सामान्य नियम स्नातक एवं 18 से 27 वर्ष है, पर विज्ञप्ति पद-वार तालिका देती है और कई पद उससे भिन्न शर्तें रखते हैं। इसलिए आवेदन से पहले अपने पद की पंक्ति स्वयं पढ़ना आवश्यक है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	सामान्यतः मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय अथवा संस्थान से स्नातक उपाधि। कुछ पदों की शर्तें भिन्न हैं — जैसे सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी, जिसके लिए स्नातक अनिवार्य है तथा सी.ए., सी.एम.ए., सी.एस. अथवा वाणिज्य/व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर वांछनीय
भर्ती संस्था	कर्मचारी चयन आयोग (एस.एस.सी.), भारत सरकार
आयु-सीमा	सामान्य परास 18 से 27 वर्ष, किंतु यह पद-वार बदलती है — विज्ञप्ति की पद-वार तालिका में अपने पद की पंक्ति देखें
आरंभिक वेतन	पद के अनुसार केंद्रीय पे मैट्रिक्स का लेवल 4 से लेवल 8 तक — मूल वेतन ₹25,500 से ₹47,600
माँग	एक परीक्षा, आयोग की सूची में सैंतीस पद — पद आवंटन के चरण पर तय होता है, तैयारी से पहले नहीं

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- कर, लेखा, अंकेक्षण एवं प्रवर्तन के काम में रुचि
- संख्याओं एवं अभिलेखों के आधार पर निष्कर्ष निकालना

- सरकार के नीति एवं प्रशासनिक तंत्र के भीतर काम करना

क्षमताएँ

- संख्यात्मक क्षमता एवं तर्कशक्ति — परीक्षा इन्हीं पर सबसे अधिक टिकी है
- लंबी तैयारी के लिए धैर्य, क्योंकि यह चार चरणों वाली परीक्षा है
- अंग्रेज़ी भाषा एवं बोध, जिसका अंक-भार इस परीक्षा में बड़ा है

ज़रूरी कौशल

- मात्रात्मक अभियोग्यता — प्रतिशत, अनुपात, ब्याज, ज्यामिति एवं आँकड़े
- अंग्रेज़ी व्याकरण, शब्द-भंडार एवं बोध
- आँकड़ा-निर्वचन एवं सारणी पढ़ना
- तर्कशक्ति एवं सामान्य बुद्धि
- सामान्य जागरूकता — इतिहास, भूगोल, अर्थव्यवस्था, राजव्यवस्था एवं विज्ञान
- कुछ पदों के लिए कंप्यूटर प्रवीणता परीक्षण एवं आँकड़ा-प्रविष्टि की गति

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 किसी भी संकाय से उत्तीर्ण करें, फिर किसी भी विषय में स्नातक करें। सामान्य नियम यही है — विषय की कोई शर्त अधिकांश पदों पर नहीं है, इसलिए कला, वाणिज्य एवं विज्ञान तीनों से यह राह खुली रहती है।
2. अपने लक्षित पद की पंक्ति विज्ञप्ति की पद-वार तालिका में पढ़ें, क्योंकि यही इस परीक्षा की सबसे आवश्यक सावधानी है। कुछ पदों की योग्यता एवं आयु-सीमा सामान्य नियम से भिन्न है। उदाहरण के लिए सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के लिए स्नातक अनिवार्य है और उसके साथ सी.ए., सी.एम.ए., सी.एस. अथवा वाणिज्य, व्यवसाय अध्ययन, व्यवसाय प्रशासन (वित्त) या व्यवसाय अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर वांछनीय बताया गया है।
3. जो अभ्यर्थी स्नातक के अंतिम वर्ष में हैं वे भी आवेदन कर सकते हैं, किंतु उन्हें विज्ञप्ति में दी गई निर्धारित तिथि तक योग्यता अर्जित कर लेनी होगी।
4. तैयारी स्नातक के दौरान ही आरंभ कर दें, क्योंकि आयु-सीमा सामान्यतः 27 वर्ष है और परीक्षा कई चरणों की है — अर्थात् एक चक्र में ही वर्ष का बड़ा भाग लग जाता है। जल्दी आरंभ करने वाले को अधिक प्रयास मिलते हैं, और यही इस परीक्षा में सबसे बड़ा व्यावहारिक लाभ है।
5. सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर एक अतिरिक्त शर्त है जिसे पहले से जान लेना चाहिए: सीधे भर्ती हुए अभ्यर्थियों को परिवीक्षा काल में अधीनस्थ अंकेक्षण/लेखा सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करनी होती है। अर्थात् चयन के बाद भी एक परीक्षा शेष रहती है।
6. आयोग की वेबसाइट पर विज्ञप्ति आने पर ऑनलाइन आवेदन करें और वरीयता-पत्र सोच-समझकर भरें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- इस परीक्षा के बारे में सबसे भ्रामक बात यह है कि इसे एक समान परीक्षा मान लिया जाता है, जबकि यह कई भिन्न पदों का एक साझा द्वार है। आयोग की अपनी सूची में सी.जी.एल. के विरुद्ध सैंतीस पद दर्ज हैं, और विज्ञप्ति आयु एवं योग्यता पद-वार तालिका में देती है। इसका सीधा अर्थ यह है कि "सी.जी.एल. की आयु-सीमा 18 से 27 है" जैसा एक वाक्य सामान्य नियम तो बताता है, पर कुछ पदों के लिए ग़लत है। अपने पद की पंक्ति पढ़ना ही एकमात्र सुरक्षित तरीक़ा है — और यह पृष्ठ इसीलिए एक संख्या छापने से बचता है।
- वेतन भी पद के अनुसार बदलता है और यह अंतर छोटा नहीं है। इस परीक्षा से भरे जाने वाले पद केंद्रीय पे मैट्रिक्स के लेवल 4 से लेवल 8 तक फैले हैं — अर्थात् आरंभिक मूल वेतन लगभग ₹25,500 से ₹47,600 तक। इसलिए "सी.जी.एल. का वेतन" एक संख्या नहीं, एक परास है, और वह इस बात पर निर्भर करता है कि मेरिट एवं वरीयता से कौन-सा पद मिला। यह भी एक कारण है कि वरीयता-पत्र ध्यान से भरना चाहिए।
- एक सावधानी जो इस पोर्टल पर आवश्यक है: पे मैट्रिक्स के स्तर की संख्या राज्य एवं केंद्र में एक जैसी नहीं होती। केंद्र के मैट्रिक्स का लेवल 8 ₹47,600 है, जबकि राजस्थान के मैट्रिक्स का लेवल 14 ₹56,100 है — संख्याएँ तुलनीय नहीं हैं। तुलना रुपये के आँकड़े से करें, स्तर की संख्या से नहीं।
- पद बहुत भिन्न प्रकार के हैं और उनका काम एक-दूसरे से बहुत अलग है, इसलिए वरीयता-पत्र को हल्के में नहीं लेना चाहिए। आयकर विभाग एवं सीमा शुल्क के निरीक्षक का काम कर-निर्धारण, जाँच एवं प्रवर्तन का है और उसमें क्षेत्र-कार्य रहता है; सहायक अनुभाग अधिकारी का काम मंत्रालय के भीतर नीति एवं नस्ती का है; लेखा परीक्षक एवं लेखाकार का काम अंकेक्षण एवं लेखा का है; प्रवर्तन एजेंसियों के उप निरीक्षक का काम अन्वेषण का है। एक ही मेरिट-सूची से ये सब भरे जाते हैं, इसलिए यह जान लेना उपयोगी है कि किस पद में दिन कैसा बीतता है — इस पोर्टल पर आयकर निरीक्षक एवं सीमा शुल्क अधिकारी के अलग पृष्ठ हैं, जो इसी में सहायक होंगे।
- तैयारी की दृष्टि से यह परीक्षा चार विषयों पर टिकी है: मात्रात्मक अभियोग्यता, तर्कशक्ति, अंग्रेज़ी भाषा एवं बोध, तथा सामान्य जागरूकता। इनमें अंग्रेज़ी का अंक-भार हिंदी माध्यम के अभ्यर्थियों के लिए प्रायः सबसे बड़ी चुनौती होती है, और उसे स्नातक के दिनों से ही साधना समझदारी है — व्याकरण एवं शब्द-भंडार वह हिस्सा है जो धीरे-धीरे बनता है और अंत में जल्दी नहीं बनाया जा सकता। परीक्षा कई चरणों में होती है और कुछ पदों के लिए कंप्यूटर प्रवीणता परीक्षण अथवा आँकड़ा-प्रविष्टि की गति भी जाँची जाती है; विस्तृत योजना उसी चक्र की विज्ञप्ति एवं आयोग की परीक्षा-योजना में मिलती है।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- University of Rajasthan and the state universities — a graduation in any subject qualifies for most posts — जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, अजमेर, कोटा एवं बीकानेर (https://uniraj.ac.in/)
- Government colleges across Rajasthan — B.A., B.Com. and B.Sc. at very low fees — लगभग हर ज़िले में (https://hte.rajasthan.gov.in/)

- Vardhman Mahaveer Open University, Kota — for completing a graduation alongside work — कोटा, राजस्थान (https://www.vmou.ac.in/)

ऑनलाइन

- कर्मचारी चयन आयोग — विज्ञप्ति एवं पद-वार आयु एवं योग्यता तालिका — अपने पद की पंक्ति यहीं पढ़ें (https://ssc.gov.in/)
- एस.एस.सी. — परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम — चरणों का ढाँचा एवं अंक-योजना (https://ssc.gov.in/for-candidates/scheme-of-examination)
- एस.एस.सी. — पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्र (निःशुल्क) — तैयारी की सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://ssc.gov.in/for-candidates/previous-year-question-paper)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

इस राह की शैक्षणिक लागत उतनी ही है जितनी एक साधारण स्नातक की, और राजस्थान के राजकीय महाविद्यालयों में वह बहुत कम है — बी.ए., बी.कॉम. अथवा बी.एससी. लगभग हर ज़िले में उपलब्ध है, और अधिकांश पदों के लिए विषय की कोई शर्त नहीं है, इसलिए महँगे व्यावसायिक पाठ्यक्रम की आवश्यकता नहीं। यदि पढ़ाई काम के साथ करनी हो तो वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा से स्नातक किया जा सकता है। तैयारी पर पैसा लगाने से पहले यह जान लेना उपयोगी है कि आयोग स्वयं पाठ्यक्रम, परीक्षा-योजना एवं पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्र निःशुल्क प्रकाशित करता है, और इस परीक्षा में सबसे अधिक काम आने वाली चीज़ पिछले प्रश्न-पत्रों का नियमित अभ्यास है। जिस एक भाग पर वास्तव में समय एवं ध्यान लगाना पड़ता है वह अंग्रेज़ी है, विशेषकर हिंदी माध्यम के अभ्यर्थियों के लिए — और वह भी मुख्यतः नियमित पठन एवं अभ्यास माँगता है, शुल्क नहीं। राजस्थान के अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, ई.डब्ल्यू.एस. एवं अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों के लिए मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना में एस.एस.सी. की परीक्षाएँ स्पष्ट रूप से सम्मिलित हैं। एक व्यावहारिक बात: तैयारी स्नातक के साथ-साथ आरंभ करने पर वही वर्ष दो काम करते हैं, और आयु-सीमा को देखते हुए यह सबसे बड़ी बचत है — पैसे की नहीं, अवसरों की।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

भारत सरकार के मंत्रालय एवं विभाग — आयकर विभाग, सीमा शुल्क एवं केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर बोर्ड, नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का कार्यालय, प्रवर्तन एजेंसियाँ तथा अन्य। तैनाती देश में कहीं भी हो सकती है और पद के अनुसार काम कार्यालय अथवा क्षेत्र में होता है।

कार्य-संस्कृति

काम का स्वरूप पद पर इतना निर्भर करता है कि एक ही विवरण देना भ्रामक होगा, इसलिए यहाँ वह कहा जा रहा है जो अधिकांश पदों में साझा है। ये अधिकारी स्तर के पद हैं और आरंभ से ही वास्तविक ज़िम्मेदारी देते हैं — कर-निर्धारण, अंकेक्षण अथवा नस्ती पर लिया गया निर्णय आगे जाता है और उसका उत्तरदायित्व लेने वाला व्यक्ति आप होते हैं। कर एवं प्रवर्तन के पदों में क्षेत्र-कार्य, जाँच एवं जनता से सीधा व्यवहार रहता है, और उसके साथ दबाव भी आता है: यहाँ निर्णय दूसरों के धन एवं व्यवसाय को प्रभावित करते हैं, इसलिए ईमानदारी एवं प्रक्रिया का पालन इस सेवा का केंद्रीय अनुशासन है, केवल आदर्श नहीं। मंत्रालयों के पदों में काम शांत एवं नस्ती-आधारित होता है और वहाँ नीति की प्रक्रिया निकट से दिखाई देती है। तैनाती अपने राज्य से बाहर मिल सकती है और स्थानांतरण इस सेवा का सामान्य हिस्सा है। समय अधिकांश पदों में निश्चित रहता है, यद्यपि कर-निर्धारण अथवा जाँच के मौसम में वह खिंच जाता है। सी.जी.एल. का सबसे बड़ा आकर्षण यही है कि यह स्नातक की साधारण डिग्री पर अधिकारी श्रेणी का प्रवेश देता है, और उसके आगे पदोन्नति का लंबा मार्ग खुला रहता है।

कौन नौकरी देता है

- आयकर विभाग एवं केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड
- केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सी.बी.आई.सी.)
- नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का कार्यालय — लेखा परीक्षक एवं सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद
- भारत सरकार के मंत्रालय एवं प्रवर्तन एजेंसियाँ

माँग (2026)

यह देश की सबसे बड़ी स्नातक-स्तरीय केंद्रीय भर्ती है और प्रायः हर वर्ष आयोजित होती है, इसलिए अवसर नियमित रूप से आते हैं और रिक्तियों की संख्या भी अन्य केंद्रीय परीक्षाओं की तुलना में बड़ी रहती है। इसके साथ तीन बातें ईमानदारी से जान लेनी चाहिए। पहली, प्रतिस्पर्धा देश की सबसे तीव्र प्रतिस्पर्धाओं में से एक है — योग्यता केवल स्नातक होने से आवेदकों की संख्या लाखों में पहुँचती है। दूसरी, परीक्षा कई चरणों की है और एक पूरा चक्र लंबा चलता है, इसलिए आयु-सीमा के भीतर मिलने वाले वास्तविक प्रयास उतने नहीं होते जितने वर्षों की गिनती से लगते हैं — यही कारण है कि जल्दी आरंभ करना इस परीक्षा में असामान्य रूप से महत्त्वपूर्ण है। तीसरी, पद एवं वेतन मेरिट पर निर्भर करते हैं, इसलिए "सी.जी.एल. निकालना" अपने आप में एक समान परिणाम नहीं देता। इसके विरुद्ध जो सुविधा है वह बड़ी है: वही तैयारी सी.एच.एस.एल., बैंकिंग की भर्तियों, रेलवे, बीमा तथा राज्य स्तर की अनेक भर्तियों में काम आती है, क्योंकि मात्रात्मक अभियोग्यता, तर्कशक्ति, अंग्रेज़ी एवं सामान्य जागरूकता का आधार इन सबमें साझा है। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. लेखाकार, लेखा परीक्षक एवं कर सहायक जैसे पद — केंद्रीय पे मैट्रिक्स लेवल 4 से 5 (मूल ₹25,500 से ₹29,200)
2. निरीक्षक श्रेणी के पद — आयकर, सीमा शुल्क एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क के निरीक्षक, तथा सहायक अनुभाग अधिकारी; लेवल 7 (मूल ₹44,900)
3. सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी — इस परीक्षा का सबसे ऊँचा प्रवेश-स्तर, लेवल 8 (मूल ₹47,600); परिवीक्षा में विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करनी होती है
4. आगे विभागीय पदोन्नति एवं विभागीय परीक्षाओं से वरिष्ठ अधिकारी स्तर तक — आयकर एवं सीमा शुल्क में सहायक आयुक्त तक पहुँचने का मार्ग इसी से खुलता है

कमाई

शुरुआत	पद के अनुसार केंद्रीय पे मैट्रिक्स लेवल 4 से 8 — मूल वेतन ₹25,500 से ₹47,600
मध्य स्तर	₹60,000 – ₹90,000 (भत्तों सहित, कुछ वर्षों की सेवा के बाद)
वरिष्ठ स्तर	₹1,10,000 से अधिक (भत्तों सहित, पदोन्नति के बाद)

यहाँ एक आरंभिक संख्या नहीं दी जा सकती और यह इस परीक्षा की वास्तविक विशेषता है, कमी नहीं: इससे भरे जाने वाले पद केंद्रीय पे मैट्रिक्स के लेवल 4 से लेवल 8 तक फैले हैं, इसलिए आरंभिक मूल वेतन ₹25,500 से ₹47,600 के बीच कहीं भी हो सकता है और वह मेरिट एवं वरीयता से मिले पद पर निर्भर करता है। सभी आँकड़े आयोग की अपनी वेतन-सूची से लिए गए मूल वेतन हैं; महँगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता एवं यात्रा भत्ता इन पर अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इनसे काफ़ी अधिक होती है, और महानगर की तैनाती पर मकान किराया भत्ता बड़ा अंतर लाता है। एक सावधानी: पे मैट्रिक्स के स्तर की संख्या राज्य एवं केंद्र में एक जैसी नहीं होती — केंद्र का लेवल 8 ₹47,600 है जबकि राजस्थान का लेवल 14 ₹56,100 है; तुलना रुपये से करें, स्तर की संख्या से नहीं। मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े अनुमानित हैं और किसी आधिकारिक वेतन-पत्रक से पुष्ट नहीं; उन्हें दिशा समझें, वचन नहीं। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- साधारण स्नातक डिग्री पर अधिकारी श्रेणी का प्रवेश — अधिकांश पदों पर विषय की कोई शर्त नहीं
- देश की सबसे बड़ी स्नातक-स्तरीय केंद्रीय भर्ती, प्रायः हर वर्ष एवं बड़ी रिक्तियों के साथ
- एक ही परीक्षा से कर, लेखा, प्रवर्तन एवं सचिवालय — चार अलग प्रकार के करियर खुलते हैं
- वही तैयारी सी.एच.एस.एल., बैंकिंग, रेलवे एवं राज्य भर्तियों में भी काम आती है

चुनौतियाँ

- आयु एवं योग्यता पद-वार बदलती हैं, इसलिए एक सामान्य नियम पर भरोसा करना जोखिम है
- देश की सबसे तीव्र प्रतिस्पर्धाओं में से एक
- कई चरणों वाला लंबा चक्र, इसलिए आयु-सीमा के भीतर वास्तविक प्रयास सीमित रहते हैं
- पद एवं वेतन मेरिट पर निर्भर — परीक्षा उत्तीर्ण करना एक समान परिणाम नहीं देता

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. कर्मचारी चयन आयोग — आधिकारिक वेबसाइट — https://ssc.gov.in/
2. एस.एस.सी. — परीक्षा योजना — https://ssc.gov.in/for-candidates/scheme-of-examination
3. एस.एस.सी. — पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्र — https://ssc.gov.in/for-candidates/previous-year-question-paper

4. केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड — https://www.cbic.gov.in/

5. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

6. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

7. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in